ACHIEVERS IAS ACADEMY

SUMMARY OF THE HINDU

FOR BPSC EXAMINATION

HINDI

DATE

21-07-2023

+91 8434931877, +91 7250667974

www.achieversiaspatna.co.in

New Patliputra Colony, Road No. 4A, Near Tennis Court, Patna-13

द हिंदू राष्ट्रीय

⇨ सुप्रीम कोर्ट 'बेहद परेशान', केंद्र और मणि परु सरकार को कार्रवाई करनेका आदेश दि या।

- सप्रुीम कोर्ट (एससी) नेगरुुवार को अटॉर्नी जनरल और सॉलि सि टर जनरल को यह बतानेके लि ए बलु ाया कि मणि परु की दो महि लाओंको तनावग्रस्त मणि परु मेंनग्न घमु ानेऔर यौन उत्पीड़न के वीडि यो सेअदालत "गहराई सेपरेशान" थी।
- अदालत नेअपनेआदेश मेंजोर देकर कहा, "महि लाओंको तनावपर्णू र्णमाहौल मेंहि सं ा को अजं ाम देनेके साधन के रूप मेंइस्तमे ाल करना सवं धै ानि क लोकतंत्र मेंबि ल्कुल अस्वीकार्य है।"
- कोर्ट नेसरकार को कार्रवाई करनेके लि ए बहुत कम समय दि या है, अन्यथा अदालत खदु कार्रवाई करेगी। अगली सनु वाई 28 जलु ाई को गहृ मत्रं ालय और मणि परु के मख्ु य सचि व को इस सबं धं मेंकी गई कार्रवाई के बारेमें हलफनामा दाखि ल करना है।
- "महत्वपर्णू र्णबात यह हैकि यह बि ल्कुल अस्वीकार्य है... यह सवं धै ानि क और मानवाधि कारों का सबसेबड़ा उल्लघं न है... हम अपनी गहरी चि तं ा व्यक्त कर रहेहैं... हम सरकार को कार्रवाई करनेके लि ए थोड़ा समय देंगेया हम कार्रवाई करेंगे," मख्ु य न्यायाधीश नेकहा चेतावनी दी.

⇨ दोषियों पर परूी ताकत से कार्रवाई करेगा काननू : पीएम

मणि परु के वीडि यो पर 'पीड़ा और गस्ुसा' जतातेहुए पीएम मोदी नेकहा कि काननू अपनी 'परूी रात' लेगा और दोषि यों को बख्शा नहींजाएगा.

मेरा हृदय क्रोध और वेदना सेभर गया है। मणि परु की घटना कि सी भी सभ्य समाज के लि ए शर्म की बात है। जि न लोगों नेयह अपराध कि या हैउन्हेंसजा मि लेगी, लेकि न इस घटना ने140 करोड़ भारतीयों का सि र शर्म से झकु ा दि या है."

⇨ मणिपरु यौन उत्पीड़न मामले में चार गि रफ्तार

पलिुलिस के अनसु ार 4 मई को मणि परु की हि सं ा सेप्रभावि त थौबल मेंभीड़ ने3 महि लाओंको नि र्वस्त्र कर घमु ाया, इनमेंसेएक महि ला के साथ बलात्कार कि या गया। इनमेंसेपरुुष रि श्तदे ारों की भी हत्या कर दी गई.

सीएम एन.बीरेन सि हं नेएक ट्वीट कर कहा

" मेरा दिल उन दो महिलाओं के प्रति सवं ेदना व्यक्त करता हैजि नके साथ बेहद अपमानजनक और अमानवीय कृत्य कि या गया था, जसै ा कि व्यथित करने वाले वीडियो में दिखाया गया है... बता दें, हमारे समाज में ऐसे घणृित कृत्यों के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है।"

⇨ सेवाओं पर केंद्र के अध्यादेश को दिल्ली सरकार की चनु ौती पर सविंधान पीठ सनुवाई करेगी।

केंद्र के अध्यादेश के खि लाफ दि ल्ली सरकार द्वारा चनु ौती दि ए गए दि ल्ली अध्यादेश मामलेको पांच न्यायाधीशों की सविं विधान पीठ को भेजा गया है।

हालांकि सीजेआई डीवाई चद्रं चड़ू ने इसे अनच्ुछेद 370 मामले से पहले सचूीबद्ध करने की याचिकाकर्ता की मांग को अस्वीकार कर दिय

⇨ महाराष्ट्र के रायगढ़ में भारी बारि श के कारण ह ए भस्खलन से गांवों के मलबे में दबने से 16 लोगों की मौत, कई लापता।

अधिकारियों ने गरुवार को कहा कि लगातार बारिश के कारण हुए भस्खलन के कारण मबंई से 65 कि लोमीटर दरू रायगढ़ जिले के इरशारवाड़ी गांव में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 21 घायल हो गए।
मरनेवालों की सख्ं या बढ़नेकी आशंका हैक्योंकि 228 मेंसेकेवल 100 की मौत हुई है।

इस क्षेत्र तक पहुंचना कठि न हैऔर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान बचाव अभि यान मेंसक्रि य हैं। महाराष्ट्र के मख्ु यमत्रं ी बचाव अभि यान की नि गरानी कर रहे हैं।

बहुत छोटा सा गाँव

[OBJ]
महाराष्ट्र में रायगढ़ जिले का नक्शा।

⇨ अहमदाबाद कोर्ट ने सीतलवाड की आरोपमक्ति याचिका खारिज कर दी।

अहमदाबाद की एक सत्र अदालत ने तीस्ता सीतलवाड की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्हें उस मामले से मक्ुत करने की मांग की गई थी, जिससे वह गजुर रही हैं।

सुश्री सीतलवाड़ को पर्वू डीजीपी आरबी श्रीकुमार और पर्वू आईपीएस सजंव भट्ट के साथ 2002 के गजुरात दंगों के बाद तत्कालीन गजुरात सरकार के खिलाफ जालसाजी और झठू सबूत गढ़ने के आरोप में गजुरात अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया था। इससे पहले SC ने उन्हें इसी मामले में जमानत देदी थी।

आरोपः गजुरात सरकार ने उन पर जालसाजी और झठू सबतू गढ़ने का आरोप लगाया है। इसके अलावा उसे कुछ कांग्रेसी नेताओं से भी पसै मिले थे.

वह महज कोरे कागज पर हस्ताक्षर लेकर दंगा पीड़ितों का शपथ पत्र तैयार करने का आरोप लगा रही है।

सरकार ने कहा है कि दंगा पीड़ितों के वास्तविक बयान और दाखिल हलफनाम में दिए गए बयान में काफी अतंर है।

⇨ मानसनू सत्र का पहला दिन बेकार

राज्यसभा और लोकसभा दिन के अधिकांश समय के लिए स्थगित रहीं। विपक्ष अपने फैसले पर अड़ा रहा कि पीएम को मणिपरु पर बयान देना ही चाहिए

भारत गठबधंन सहयोगी ने तय किया कि एक सयंक्त प्रति निधि मडंल मणिपरु का दौरा करेगा।

⇨ भारत में मूल्य वद्धि को नि यत्रिं त्त करने के लि ए केंद्र ने गैर बासमती सफेद चावल के नि र्या त पर प्रति बधं लगा दिया।

गैर बासमती सफेद चावल के नि र्या त पर प्रत बधं मल्ू य वद्ृधि पर अकं ुश लगाने के लिए उपलब्धता सनिुनिश्चित करने के लिए है। खाद्य मत्रं ालय के एक बयान में कहा गया है।

गैर बासमती का निर्यात 20% निर्यात शल्ुक के साथ निशल्क किया जाता है।

खदुरा बिक्री में एक साल में 11.5% और एक महीने में 3% की वद्धि हुई है।

20% निर्यात शल्क के बावजदू सितंबर से मार्च 2021-22 के बीच इसका निर्यात 33.66 लाख टन से बढ़कर 42.12 लाख टन (सि तंबर सेमार्च 2022-23) हो गया। यह भ–राजनीति क स्थिति और जलवायु परिस्थितियों के कारण उच्च वश्विैश्वि क मांग के कारण है।

दुनिया

⇨ इराक में स्वीडिश दतूवास पर हमला, दतू निष्कासित

इराक के प्रधानमत्रं ने स्वीडन के राजदतू को इराक से निष्कासित करने का आदेश दिया है और गरुवार को स्वीडन से अपने राजदतू को बलुया है.

कैसे सामने आई स्थिति :

एक योजना बद्ध कार्यक्रर्यम के दौरान एक व्यक्ति ने स्टॉक होम में इराकी दतूवास के सामने कुरान का अपमान किया। निम्नलखित के

इराकी प्रदर्शनर्कारियों ने बगदाद में स्वीडिश दतूवास पर धावा बोल दिया। परिसर में तोड़–फोड़ की और हल्की आग भी लगा दी। स्वीडन ने बताया कि इराक में उसका दतूवास आगतंकुों के लिए करीब है।

इराक के पीएम ने कहा है कि आगजनी में शामिल लोगों पर कार्रवाई की जाएगी.

स्वीडन में कुरान क्यों जलाया जाता है

- हाल ही मेंएक घटना मेंस्वीडन मेंप्रदर्शनर्श कारि यों नेअधि कारि यों सेअनमु ति मि लनेके बाद कुरान जला दि या था।
- गरुवार की घटना बदनाम करनेवाली थी, जबकि पहलेभी ऐसी कई घटनाएं हो चकुी हैं.
- स्वीडन सरकार और यहांतक कि अन्य बाल्टि क देश बहत उदार हैंऔर अभि व्यक्ति की स्वतंत्रता और अल्पसखं

⇨ **रूस ने तीसरी रात यक्रूनी बदंरगाह पर हमला किया।**

यक्रूेन के बदंरगाह शहर ओडसे पर लगातार तीसरे दिन रूसी मिसाइलों और ड्रोन सेहमला हुआ। रूस सेना ने काला सागर के एक अन्य बदं रगाह मायको लाइव को भी नि शाना बनाया जिसके माध्यम से यक्रून अनाज का निर्यात किया जाता है।

रूस ने युक्रेन के दो शहरों पर सयंक्त रूप से 19 क्रूज मिसाइलें और 19 ड्रोन दागे। इस हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए।

रूस इन बदंरगाहों के माध्यम सेअनाज नि र्या त करनेवालेयक्रूेनी जहाजों को सरुक्षि त मार्ग देनेके सौदेसेखदु बाहर नि कल गया। इसके तरुंत बाद क्रीमि या को रूसी मख्ु य भमिूमि सेजोड़नेवाला केर्च ब्रि ज बम हमले से

क्षतिग्रस्त हो गया। हालि या हमले को इसी के प्रति शोध के तौर पर देखा जा रहा है.

ओडिसा और माइक्लोविक यक्रून के ऐसे बदंरगाह हैं खा से अनाज का निर्यात किया जाता है

चीन अमेरिका के साथ व्यापार यद्ध नहीं चाहता।

अमेरका में चीन के राजदतू झी फेंग ने चीन को माइक्रोचिप्स और चिप बनाने वाले उपकरण बेचने पर अमेरिकी प्रतिबधो की आलोचना की है, जो पिछले साल बिडने प्रशासन द्वारा लगाए गए थे।

श्री ज़ी ने बधुवार को एस्पेन, कोलोराडो में एक सरुक्षा सम्मेलन, एस्पेन सिक्योरटी फोरम में कहा, "चीन प्रति स्पर्धा से नहीं कतराता है, लेकि न मुझे लगता है कि अमेरिकी पक्ष द्वारा प्रति स्पर्धा की परिभाषा उचि त नहीं है।" चीन को बाहर रखकर जीतने की कोशिश कर रहे हैं." उन्होंने हआवेई को अमेरिकी प्रौद्योगिकी बिक्री पर

⇨ **पुतिन ने शिखर सम्मेलन को 'ख़तरे में नहीं डालने' का विकल्प चुना: द्रूत**

दक्षिण अफ्रीका के एक शीर्ष राजनयिक ने बधुवार को कहा कि पतुितिन ने जोहान्सबर्ग मेंआयोजित होनेवाले ब्रिक्स 2023 मेंव्यक्ति गत रूप सेशामि ल नहीं होनेका फैसला सि र्फ इसलि ए कि या क्योंकि वह शि खर सम्मेलन को "खतरेमें" नहीं डालना चाहते थे।

इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पतुितिन को यद्ध अपराधी घोषित कर दि या है. और अगर पतुितिन नेव्यक्ति गत रूप सेब्रि क्स 2023 मेंभाग लेनेके लि ए जोहान्सबर्ग जानेका फैसला कि या होता तो आईसीसी सदस्य होनेके नाते दक्षि ण अफ्रीका को पतुितिन की गि रफ्तारी को लेकर दविुविधा का सामना करना पड़ सकता था।

पुतिन व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं होंगे, जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स 2023

इस बार के BRICS में पुतिन सामिल नही होंगे

खेल :

महिला फुटबॉल विश्व कप 2023 ऑस्ट्रेलिया- न्यजूीलडैं में शरू हुआ।

लोगो फीफा महिला वश्वकप ऑस्ट्रेलिया न्यज़ूीलैंड

संपादकीय

- **नाम मेंबहुत कुछ है**

विपक्षी दल राष्ट्रवाद के मद्देपर बीजेपी का मकुाबला कर रहे हैं।

<u>सपादकीय के बारे में:</u>

सपादकीय मेंकहा गया हैकि गठबधं न का नाम देश के नाम पर भारत रखना एक अच्छा कदम है। लेकि न उनमें कई आतं रिक मतभेद हैं जिनका विपक्षी गठबधंन को विश्वसनीय बनने के लिए सामना करना होगा।

गठबधं न का नाम INDIA रखे जाने के बारे में

भारत - भारतीय राष्ट्रीय विकास, समावेशी गठबधं न का गठन बेंगलरु में विपक्ष की बठै क के दौरान कि या गया था।

हालांकि कैन इंडि या नाम अपनेआप मेंबीजेपी के खि लाफ एक अच्छा कदम है। लेकि न वि पक्षी गठबधं न को इससेभी ज्यादा कुछ करना होगा.

INDIA गठबधं न के साथ समस्याएँ:

भारत के सदस्य स्वयं पजाब, केरल, पश्चि म बगाल जसै कई राज्यों मेंएक दसू रेसेलड़ रहे हैं। इसके अलावा बेगलरुु बठैक मेंभी दरारें दिखीं, जहां कुछ पार्टिया संतुष्ट नहीं दिखीं। हालाँकि बॉम्बेउनके बीच कुछ मदुदों को सलु झा सकता है।
ऐसे में सीटों का बटंवारा देखना इतना आसान नहीं होगा.